

आज का पुरुषार्थ 6 May 2022

Source: BK Suraj bhai

Website: www.shivbabas.org

धारणा – " कितने रॉयल घराने के है हम, इसको स्वीकारते हुए अपनी पवित्रता की शक्ति से पूरे संसार की पालना करते चले "

स्वयं भगवान ने आकर हमें पवित्रता का महामंत्र दिया है। हमारे ओरिजिनल प्योर संस्कार को उसने इमर्ज कर दिया है। आते ही **प्योरीटी** का वरदान दिया

" बच्चे, तुम तो देवकुल की पवित्र आत्मायें हो .. तुम्हारा तो मूल स्वरूप ही प्योरीटी है .. अब उसे जगाओ .. तुमने विकारों की चादरें डालकर अपने प्योरीटी को छुपा दिया है .. अब उसे बाहर निकालो .. तुम तो पवित्रता के सूर्य हो .. तुम्हारे पवित्रता के प्रकाश से जग का अंधकार दूर हो जायेगा "

और बाबा बहुत सुन्दर बात कही ...

" जो आत्मायें सम्पूर्ण पवित्र बनते है, प्रकृति उनके हर संकल्प को पूर्ण करने में तत्पर हो जाती है "

कितनी बड़ी बात है, प्रकृति से हमें सर्वस्व मिलेगा। जब हम सम्पूर्ण पवित्र बन जायेंगे।

सतयुग में जब हम पवित्र है **प्रकृति** हमें सर्वस्व प्रदान कर रही है। और जब आत्मायें अपवित्र हो जाती है तो प्रकृति उन्हें कुछ भी नहीं देती। प्रकृति से उन्हें छीनना पड़ता है। जैसे आज प्रकृति को खाली किया जा रहा है।

तो आईये आज हम पुनः **सम्पूर्ण पवित्रता** की राह पर चले। यह प्योरीटी ही हमारी रॉयल्टी है। इसी से हमारे चेहरों पर राजाई संस्कार आते है, दिव्यता आती है। और प्योरीटी का प्रकाश सबको मेहसूस होता है।

आगे चलकर वह समय भी आयेगा जब **सम्पूर्ण पवित्र** आत्मायें मस्तक के मध्य में चमका करेगी। जैसे हीरा चमकता हो और अनेक लोगों को दर्शन हुआ करेंगे

यह **पवित्रता** ही हमारी **सेवाओं का आधार** है। किसी निमित्त आत्मा की प्योरीटी जितनी ज्यादा होगी देवकुल की आत्मायें भी उनके ओर खींचे चले आयेंगे।

पर प्योरीटी को केवल **ब्रह्मचर्य** तक सीमित नहीं समझना चाहिए। बाबा के बहुत सारे बच्चे ब्रह्मचर्य में बहुत ही स्ट्रॉंग हैं। उन्हें कोई टच भी नहीं कर सकता। उनसे कोई अपवित्र बात भी नहीं कर सकता।

गर्व है इस **महान यज्ञ** की निर्माता को कि उसने इतने पवित्र आत्माओं का निर्माण किया है। लेकिन प्योरीटी की **चमक**, प्योरीटी की **दिव्यता**, प्योरीटी **बल** तब आता है जब हम व्यर्थ संकल्पों से भी मुक्त हो जाये। फिर साधारण संकल्पों से भी मुक्त हो जाये। और **स्वमान के स्मृति** स्वरूप श्रेष्ठ संकल्पों में रहने लगे।

तो आईये ऐसी महान आत्माओं की तरह सम्पूर्ण पवित्र बने। तो इससे संसार में बाबा की जयजयकार हो जायेगी। संसार उनकी ओर पूर्णतया आकर्षित हो जायेगा।

तो आज से हम अभ्यास करेंगे ...

" मैं बहुत ही रॉयल, राजाई कुल की रॉयल आत्मा .. सम्पूर्ण पवित्र फ़रिश्ता हूँ .. इस सम्पूर्ण प्रकृति का मालिक भी हूँ "

और साथ में अपने को सम्पूर्ण पवित्र बनाने के साथ-साथ इस प्रकृति को भी पवित्र वायब्रेशन्स देते चलेंगे ...

" **बाबा परमधाम में** .. पवित्रता के सागर .. उनके स्वरूप को निहारें .. उनसे चारों ओर पवित्रता के सफ़ेद रोशनियाँ फैल रही है .. वह नीचे मुझ पर आ रही है .. और मुझसे चारों ओर फैल कर प्रकृति को पावन कर रही है "

यह बहुत सुन्दर अभ्यास जो **प्रकृति को पवित्रता की शक्ति देंगे**। और इस सेवा से हमारा बहुत बड़ा पुण्य जमा होगा।

प्रकृति के हम एहसानमंद है, क्योंकि माँ बनकर सदा उसने हमारी पालना की है। और साथ में यह भी करें, जो भी हमारे सामने आये उन्हें भी पवित्र वायब्रेशन्स दे। ऐसा **श्रेष्ठ संकल्प हर पल मन में चलते रहे**।

॥ ओम शान्ति ॥

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org